लखनऊ, मेरठ, गाजियाबाद एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक

प्रभात प्रकाशन का 73 सालवां

प्रभात

सीधी बात-सच्ची बात

जल संरक्षण पर नहीं दिया ध्यान तो विश्व युद्ध का खतरा!

एसएमएस में सम्पन्न हुई राष्ट्रीय संगोष्ठी

लखनऊ। प्रभात

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साईसेज, लखनऊ में आयोजित 'सोर्सेज़ ऑफ प्लैनेट एनर्जी, एनवायर्रमेंटल एण्ड डिजास्टर साईंसः क्लाइमेट डिस्टरबेंस एण्ड इट्स ग्लोबल इम्पैक्ट (स्पीड्स-2018)' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन 25 नवम्बर को कमला नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, सुल्तानपुर के निदेशक प्रो0 जे0पी0 पाण्डेय द्वारा किया गया। अपने सम्बोधन में श्री पाण्डेय द्वारा जल संचयन एवं इसके उपयोग की महत्ता से अवगत कराते हुए उपस्थित प्रतिभागियों एवं वैज्ञानिकों से जल संरक्षण को एक अभियान के रूप में अपनाने का अनुरोध किया गया जिससे आगे आने वाली पीढ़ियों को इसकी समस्या से जूझना न पड़े।

उक्त विषयक कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि तथा प्रसिद्ध पर्यावरणविद् एवं जलपुरूष राजेन्द्र सिंह ने द्वीप प्रज्वलित कर किया। राजेन्द्र सिंह द्वारा अपने सम्बोधन में जल संरक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए यह अवगत कराया गया कि यदि पूरे विश्व में जल संरक्षण पर समुचित ध्यान नहीं दिया गया तो भविष्य में विश्वयुद्ध का यह कारण बन सकता है।

संगोष्ठी में बोलते वक्ता

संगोष्ठी में देष के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों से आये हुये वैज्ञानिकों तथा शोध छात्रों ने अपनी प्रस्तुतियों में पर्यावरण संरक्षण की विभिन्न चुनौतियों एवं समाधानों को रेखांकित किया गया। कार्यशाला में लगभग 200 शोधकर्ता व विद्वानों ने भाग लिया तथा लगभग 100 शोधपत्र प्रस्तुत किये गये।

सचिव एवं मुख्यकार्यकारी अधिकारी, एस0एम0एस0 शरद सिंह ने विभिन्न प्रान्तों से आये हुए विद्वत्जनों से धरती के पर्यावरण की सुरक्षा में अपना योगदान सुनिष्चित करने का अनुरोध किया। कार्यशाला में संस्थान के निदेशक प्रो0 (डॉ0) मनोज मेहरोत्रा, डॉ0 भरत राज सिंह, डायरेक्टर जनरल (तकनीकी), एस0एम0एस0 लखनऊ एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।